योजना निर्माण की खूबियां: विजन इंडिया@2047

योजना का संदर्भ

द हिंदू

पेपर-II (शासन व्यवस्था)

वर्ष 2024 की शुरुआत में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आजादी के 100 साल पूरे होने तक देश को 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था वाले एक विकसित राष्ट्र में बदलने से जुड़े एक रोडमैप का अनावरण किए जाने की उम्मीद है। विजन इंडिया@2047 योजना, जैसाकि इसे आधिकारिक तौर पर नाम दिया गया है, पर लगभग दो सालों से काम चल रहा है और इसमें विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारी इस बात पर विचार-मंथन कर रहे हैं कि देश को विकास के वर्तमान स्तर से उस मुकाम तक कैसे ले जाया जाए जहां वह होना चाहता है। नीति आयोग, इस विजन दस्तावेज को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में, जल्द ही अपने केंद्रीय विचारों व लक्ष्यों को विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा, ऐप्पल प्रमुख टिम कुक के साथ-साथ भारतीय उद्योगपतियों एवं विचारकों सहित सभी क्षेत्रों के शीर्ष प्रतिभाओं के सामने उन्हें और बेहतर बनाने तथा किसी भी कमजोर नुक्ते की ओर ध्यान दिलाने के मकसद से पेश करेगा। लोकसभा चुनाव से ऐन पहले आने वाले, इस योजना को संभावित मतदाताओं के लिए सरकार के नीतिगत वादे के रूप में देखा जा सकता है। लेकिन चुनावी नतीजों से परे, भविष्य की सरकारों के लिए इस व्यापक एजेंडे के प्रति एक गंभीर नजरिया रखना अच्छा रहेगा। वर्ष 1991, जब वैश्विक आर्थिक उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी महज 1.1 फीसदी थी, से उभरते हुए आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में 3.5 फीसदी की हिस्सेदारी तक पहुंच जाने का इस देश का उत्थान विभिन्न राजनीतिक विचारधारा वाली सरकारों द्वारा बड़े पैमाने पर सुधार और उदारीकरण के एजेंडे पर अड़े रहने की वजह से संभव हुआ है। सुधारों की रफ्तार और जोश में रुकावटें वर्तमान गठबंधन-स्वतंत्र शासन समेत सभी सरकारों के दौरान दिखाई देती रही हैं, खासकर भूमि और श्रम जैसे कारक बाजारों में जरुरी पेचीदा बदलावों के मामले में।

अंतिम योजना में ऐसे चुनौतीपूर्ण सुधारों को पूरा करने में मदद करने और भारत की विकास कहानी पर दांव लगाने के इच्छुक वैश्विक निवेशकों के लिए नीतिगत निश्चितता सुनिश्चित करने से जुड़े कुछ विचारों का समावेश होना चाहिए। सरकार की भूमिका को एक 'माइक्रो-मैनेजर' के बजाय एक समर्थक के रूप में सीमित करना एक और पहलू है, जो महत्वपूर्ण होगा। ऐसा खासकर इसलिए क्योंकि मसला चाहे उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन का हो या आयात लाइसेंसिंग या फिर अत्यधिक उत्साही कराधान का, हाल के कुछ फैसलों ने अतीत की आदतों की ओर इशारा किया है। इस विजन दस्तावेज के एक घोषित फोकस क्षेत्र, जो इसके कार्य बिंदुओं और परिणाम लक्ष्यों को दो अवधियों - 2030, और तब से लेकर 2047 तक की 17 वर्ष की अवधि - में विभाजित करता है, का इरादा यह सुनिश्चित करना है कि भारत अब से कुछ सालों के बाद मध्यम आय के जाल में न फंस जाए। इसके लिए अर्थव्यवस्था में खेतों से लेकर कारखानों तक में लंबे अरसे से चल रहे संरचनात्मक बदलाव को तेज करने और आय में असमानता के व्यापक रूझान को रोकने की जरुरत है। अब जबकि पंचवर्षीय योजनाओं को तिलांजलि दे

दी गई है, उभरते वैश्विक रुझानों और भारी नुकसान पहुंचाने वाली अप्रत्याशित संकटों (ब्लैक स्वान) के मद्देनजर लक्ष्यों को नए सिरे से व्यवस्थित करने के लिए 2047 की योजना की मुनासिब अंतराल पर फिर से समीक्षा करने का प्रावधान किया जाना चाहिए। वर्ष 2030 से लेकर 2047 के बीच 9 फीसदी की ऊंची विकास दर का लक्ष्य काबिलेतारीफ है, लेकिन वैकल्पिक परिदृश्यों पर ध्यान देना और जरुरत पड़ने पर रास्ता बदलना भी उचित रहेगा।

भारत का विजन@2047 क्या है?

- **अमृत काल:** 75वीं और 100वीं स्वतंत्रता वर्षगांठ के बीच की अवधि परिवर्तनकारी विकास का प्रतीक है।
- **विकसित भारत@2047:** सामूहिक 'टीम इंडिया' दृष्टिकोण के माध्यम से 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य।
- **संतुलित आर्थिक विकास:** वृहद-आर्थिक विकास और सूक्ष्म-स्तरीय कल्याण दोनों पर ध्यान दें।
- **तकनीकी प्रगति:** डिजिटल अर्थव्यवस्था, फिनटेक और प्रौद्योगिकी-सक्षम विकास को बढ़ावा देना।
- **पर्यावरण प्रतिबद्धता:** ऊर्जा परिवर्तन और सक्रिय जलवायु कार्रवाई को प्राथमिकता दें।
- **निवेश रणनीति:** निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए सार्वजनिक पूंजी निवेश।

नीति आयोग के विजन@2047 दस्तावेज में क्या शामिल होगा?

- 2047 के लिए भारत के दृष्टिकोण के आधार पर, नीति आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए एक दस्तावेज तैयार कर रहा है कि भारत निर्धारित समय के भीतर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके।
- **आर्थिक लक्ष्य:** 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य, प्रति व्यक्ति आय 18,000-20,000 डॉलर के बीच।
- **क्षेत्रीय फोकस:** इसमें ग्रामीण और कृषि, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी और शासन जैसे 10 क्षेत्र शामिल हैं।
- **संरचनात्मक परिवर्तन:** आर्थिक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सुधारों पर प्रकाश डालें और विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की भूमिकाओं में ओवरलैप को संबोधित करें।
- **वैश्विक जुड़ाव:** वैश्विक व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और विकास में भारत की भूमिका का विवरण शामिल किया जाएगा।
- **भारतीय कंपनियाँ:** संभावित भारतीय व्यवसायों की पहचान करें जो वैश्विक नेता बन सकते हैं और अपने विकास पारिस्थितिकी तंत्र की रणनीति बना सकते हैं।
- **मानव पूंजी:** मानव संसाधन विकसित करने और भारत के बाजार आकार का लाभ उठाने पर अंतर्दृष्टि।
- **असमानताओं को संबोधित करना:** क्षेत्रीय आर्थिक असमानताओं को दूर करने की रणनीतियाँ।
- **मील के पत्थर:** 2030 और 2047 में भारत की स्थिति का विवरण देने वाला एक रोडमैप प्रदान करें।
- **शासन:** नौकरशाही को आधुनिक बनाने की सिफारिशें, पारंपरिक कागजी कार्रवाई पर रणनीतिक विचार पर जोर देना।

संभावित प्रश्न (Expected Question)

प्रश्न : भारत के विजन@2047 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. इसके तहत 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा गया है।
2 इसमें ग्रामीण और कृषि, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी और शासन जैसे 10 क्षेत्र शामिल हैं।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

Que. Consider the following statements with reference to India's Vision@2047-

1. Under this, a target has been set to become a 30 trillion dollar economy by 2047.
2. It includes 10 sectors like rural and agriculture, infrastructure, technology and governance.

Which of the statements given above is/ are correct?

(a) Only 1

(b) Only 2

(c) Both 1 and 2

(d) Neither 1 nor 2

उत्तर : c

संभावित प्रश्न व प्रारूप (Expected Question & Format)

प्रश्न : भारत का महत्वाकांक्षी विजन@2047 क्या है? इसके तहत शामिल किए गए महत्वपूर्ण पहलुओं की चर्चा करें।

उत्तर का दृष्टिकोण:

- उत्तर के पहले भाग में भारत के विजन@2047 की चर्चा करें।
- दूसरे भाग में विजन@2047 के तहत शामिल किए गए महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तार से चर्चा करें।
- अंत में आगे की राह दिखाते हुए निष्कर्ष दें।

नोट : अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्त्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।